किताबों से पढ़ाई की आदत कैसे लगाएं

किताब से पढ़ें, क्योंकि फोन से स्टडी कम और ध्यान इधर-उधर ज्यादा भटकता है।

प्यार, सम्मान और समझदारी पर टिका होता है सास-बहू का रिश्ता

सास-बहू का रिश्ता सबसे अनोखा माना जाता है। यह रिश्ता प्यार, सम्मान और समझदारी पर टिका होता है, लेकिन कई बार यह चुनौतियों से भी भरा होता है।

रिश्तों में संतुलन का डगमगाना

अपेक्षाओं का अंतर

रीति-रिवाजों में अंतर

बच्चों के साथ आप भी पढ़ें बुक

बच्चों के अनुसार करें किताबों का चुनाव

फन करते हुए पढ़ाएं

सेट करें रीडिंग टाइम

छोटे-छोटे पार्ट्स में समझाएं

समझाने के बाद बच्चे को बनाएं टीचर

पढ़ने के बाद जल्दी भूल जाता है आपका बच्चा? इस तरीके से हमेशा रहेगा याद

पेज 07

डाक पंजीयन क्रमांक : MP/HSD/51/2021-23

हरदा से प्रकाशित साप्ताहिक अखबार ■ प्रति बुधवार

शब्द सारांश

खबरों का आईना

RNI - MPHIN/2017/74252

वर्ष-10, अंक-49, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए email: ramnema81@gmail.com हरदा, बुधवार 15 अप्रैल 2026

सार-समाचार

गैंगस्टर दीपक के शूटर का एनकाउंटर

गुरुग्राम। गुरुग्राम शहर में मशहूर फैशन डिजाइनर मयंक चावला के शोरूम की बिल्डिंग पर 20 फरवरी को फायरिंग के मामले में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक शूटर को एनकाउंटर के बाद पकड़ लिया है। सोनीपत के जाजल गांव के रहने वाले शूटर निलेश उर्फ ढीला के पैर में गोली लगी है। एसटीएफ ने उसे जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया है। निलेश की गिरफ्तारी से गैंग की कई योजनाओं का खुलासा होने की उम्मीद है। ठीक होने पर पुलिस उसे गिरफ्तार करेगी। मयंक चावला के शोरूम पर फायरिंग के बाद विदेश में बैठे गैंगस्टर दीपक नांदल ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जिम्मेदारी ली थी। मामले में पुलिस के हाथ आया निलेश पांचवां आरोपी है।

कार्तिक स्वामी मंदिर के कपाट खुले

भरमौर। हिमाचल प्रदेश के भरमौर में मशहूर कार्तिक स्वामी मंदिर कुगती के कपाट 134 दिन बाद मंगलवार को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। लगभग चार महीने तेरह दिन तक बंद रहने के बाद मंदिर खुलने से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बन गया है। मंदिर में पूरी रात जागरण चलता रहा। इसमें हिमाचल के अलावा पंजाब, हरियाणा, जम्मू समेत कई राज्यों से सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। मंगलवार सुबह विशेष पूजा, हवन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर के कपाट खोले गए। अब विभिन्न प्रदेशों से भरमौर पहुंचे श्रद्धालु कार्तिक स्वामी के दर्शन कर रहे हैं। बता दें कि, सर्दियों में कुगती में भारी बर्फबारी होती है। यहां पर 15 नवंबर के आसपास हिमपात शुरू हो जाता है। इसलिए, मान्यता है कि भगवान शिव के ज्येष्ठ पुत्र कार्तिक स्वामी दीपावली के बाद एकांतवास (पाताल लोक) में चले जाते हैं और उनके लौटने तक मंदिर के कपाट बंद रहते हैं।

1 करोड़ की अफीम-डोडा जब्त

चतरा। चतरा पुलिस ने लावालौंग क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1 करोड़ रुपये की अफीम और डोडा जब्त किया है। यह कार्रवाई एसपी सुमित अग्रवाल के नेतृत्व में की गई, जिसमें छह तस्करों के घरों से नशे का जखीरा बरामद हुआ। हालांकि तस्कर भागने में कामयाब रहे। पिछले तीन दिनों के भीतर लावालौंग क्षेत्र में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है, जिसमें अफीम माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया है। पुलिस ने तस्करों के घरों से उनके आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। चतरा एसपी सुमित अग्रवाल को मिली एक गोपनीय सूचना के आधार पर यह अभियान चलाया गया। सूचना थी कि रिमी पंचायत के खाखर गांव में आधा दर्जन तस्कर अपने घरों में भारी मात्रा में अफीम और डोडा जमा कर रहे हैं। तस्कर इस नशे को बाहरी व्यापारियों को बेचने की योजना बना रहे थे।

331 बच्चे हुए एचआईवी पॉजिटिव

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के ताउंसा शहर में 331 बच्चे एचआईवी पॉजिटिव पाए गए है। ये सभी मामले नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच दर्ज हुए। अब इस मामले में सरकारी अस्पताल में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप लगे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में एक ही दवा की शीशी से अलग-अलग बच्चों को इंजेक्शन दिया गया। इससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया। एचआईवी संक्रमित बच्चों के परिवारों का कहना है कि उनके बच्चों को अस्पताल में इलाज के दौरान संक्रमित सुई से एचआईवी हुआ। आठ साल के मोहम्मद अमीन की मौत इसी संक्रमण के बाद हो गई, जबकि उसकी बहन असमा भी एचआईवी पॉजिटिव है। उनकी मां सुगरा के मुताबिक, दोनों बच्चों को अस्पताल में दिए गए इंजेक्शन से संक्रमण हुआ।

प्रधानमंत्री द्वारा लिया गया निर्णय 21वीं सदी का सबसे अहम फैसला साबित होगा

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से महिलाओं का होगा तेजी से सशक्तिकरण : सीएम डॉ. यादव

विभिन्न वर्गों की महिलाएं बड़ी संख्या में शामिल हुई इंदौर के नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के पथ पर अग्रसर है। वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी महिलाओं के हित में लगातार निर्णय लेकर महिलाओं को अधिकार देने के साथ उन्हें सशक्त बना रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. अंबेडकर की पहल को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नारी शक्ति को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलवाने का संकल्प लिया है। यह 21वीं शताब्दी का सबसे बड़ा निर्णय है। इस अधिनियम के लागू हो जाने के बाद नारी शक्ति का तेजी से सशक्तिकरण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को इंदौर के परस्पर नगर स्थित लता मंगेशकर ऑडिटोरियम में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि

विपदल करते हैं वंदेमातरम् का अपमान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि विपदल वंदेमातरम् का अपमान कर रहे हैं। इसी प्रकार से राम मंदिर के समय भी समाज को बांटने की कोशिश हुई थी। जब सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को खत्म कर दिया, तब भी विपदल की सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को पलट दिया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सुप्रीम कोर्ट के दो निर्णयों को लागू करवाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्लिम बहनों को तीन तलाक के कलंक से मुक्ति दिलवाई। बदलते दौर के भारत में अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का पालन करते हुए मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक से मुक्ति दिलाकर उनके हित में नया इतिहास लिखा, तो वहीं अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर देवी अहिल्याबाई का शहर है और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की जन्मस्थली है। आज हम जिस सभागृह में उपस्थित है वह लता मंगेशकर की स्मृति में बनाया गया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बढ़ेगा बेटियों का मान

विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ ने कहा कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। सनातन संस्कृति में नारी को सदैव ज्ञान, शक्ति और समृद्धि का प्रतीक माना गया है। पंचायत राज संस्थाओं में आधे स्थानों पर महिलाओं को आरक्षण देने के लिए प्रदेश सरकार धन्यवाद की पात्र है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लागू होने पर देश की हर बेटी ऐतिहासिक निर्णयों में अपनी भूमिका निभा पाएगी।

नारियों ने अनोखी मिसाल पेश की

लता मंगेशकर ऑडोटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर इंदौर की नारियों ने अनोखी मिसाल पेश की। कार्यक्रम में मंच पर कई वर्गों में कार्य कर रही नारियों ने अपनी सहभागिता की और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ मंच की शोभा बढ़ाई। इस दौरान जनप्रतिनिधियों में मंत्री, सांसद, विधायक और अधिकारी सब दर्शक दीर्घा में बैठे। कार्यक्रम स्थल पर महिला स्व-सहायता समूह द्वारा विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभिन्न स्टॉलों पर जाकर महिलाओं द्वारा उत्पादित सामग्री का अवलोकन किया।

चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल 18 और डीजल 35 रुपए होंगे महंगा!

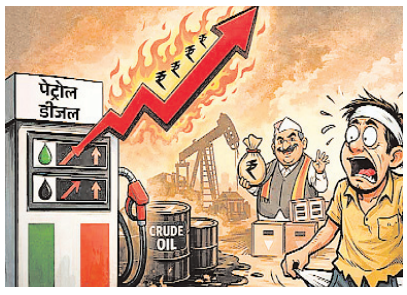

नई दिल्ली। कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों के चलते देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की एक रिपोर्ट के अनुसार पेट्रोल करीब 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 35 रुपए प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल महंगा होने के बावजूद भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे गए हैं, जिससे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। अनुमान है कि पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद कंपनियां कीमतों में बढ़ोतरी कर सकती हैं। मौजूदा स्थिति में तेल कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर लगभग 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का

नुकसान हो रहा है। पिछले महीने जब कच्चे तेल की कीमतें अपने उच्च स्तर पर थीं, तब तीनों प्रमुख तेल कंपनियों को प्रतिदिन करीब 2,400 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ा। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए की कटौती के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपए प्रतिदिन रह गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी से कंपनियों का नुकसान करीब 6 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ जाता है। ऐसे में आने वाले समय में उपभोक्ताओं पर ईंधन महंगाई का सीधा असर पड़ सकता है। तेल कंपनियों ने कमाए हजारों करोड़ अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का फायदा भारतीय तेल कंपनियों को बड़े पैमाने पर हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, जब-जब क्रूड ऑयल सस्ता हुआ, तब सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने पेट्रोल और डीजल के दामों में उसी अनुपात में कटौती नहीं की, जिससे उन्हें उल्लेखनीय मुनाफा हुआ।

नोएडा की आग देश के कई राज्यों में फैली, मजदूरों का गुस्सा फूटा

नोएडा/भिवाड़ी/पीथमपुर। उत्तर प्रदेश के नोएडा में मंगलवार को दूसरे दिन भी श्रमिकों को आंदोलन जारी रहा। वहीं नोएडा में मजदूरों के हुए आंदोलन की आंच अब देश के कई राज्यों में पहुंच गई है। राजस्थान के भिवाड़ी स्थित पथरेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में मदरसन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के गेट पर सैकड़ों श्रमिक हड़ताल पर उतर आए। करीब 1000 से 2000 महिला और पुरुष कर्मचारी कंपनी गेट के बाहर जमा होकर नारेबाजी की। श्रमिकों की मुख्य मांगों में वेतन में उचित वृद्धि, काम के घंटों में सुधार और कंपनी के अधिकारियों पर लगाए गए अभद्र व्यवहार, मारपीट व धमकियों के आरोपों पर रोक लगाना शामिल है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी देकर लगातार प्रताड़ित किया जाता है। वहीं पीथमपुर के औद्योगिक नगर सेक्टर 3 स्थित मदरसन कंपनी की यूनिट 1 के बाहर मंगलवार को करीब 500 महिला और पुरुष कर्मचारियों ने हड़ताल शुरू कर दी। मजदूरों का आरोप है कि कंपनी प्रबंधन उनका आर्थिक शोषण कर रहा है और हक की आवाज उठाने वाले कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रहा है।

नोएडा में मंगलवार को भी कई जगह पर निजी कंपनियों के कर्मचारियों ने उग्र प्रदर्शन जारी है। अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे कर्मचारियों ने फिर से पथराव किया, इस दौरान उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी में बढ़ोतरी का एलान कर दिया है, लेकिन अभी भी कर्मचारी संतुष्ट नजर आ रहे हैं।

कर्मचारी बोले-कंपनी में काम के घंटे तय नहीं

पीथमपुर में प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने बताया कि कंपनी में काम के घंटे तय नहीं हैं। प्रबंधन उनसे आठ घंटे से अधिक काम करवाता है, लेकिन वेतन वृद्धि की बात आने पर कोई सुनवाई नहीं होती। एक महिला कर्मचारी रश्मि ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई में कम वेतन पर गुजारा करना मुश्किल है, और प्रबंधन का रवैया मानसिक प्रताड?ा का कारण बन रहा है। हड़ताल का मुख्य कारण हाल ही में प्रबंधन की ओर से की गई कार्रवाई बताई जा रही है। मजदूरों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के कारण उनके कुछ साथियों को बिना किसी ठोस वजह के नौकरी से निकाल दिया गया है। कर्मचारियों का कहना है कि प्रबंधन इस तरह की कार्रवाई से उन्हें डराने की कोशिश कर रहा है। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि जब तक निकाले गए साथियों को वापस काम पर नहीं लिया जाता, वेतन में बढ़ोतरी नहीं की जाती और कार्य के घंटे सुनिश्चित नहीं किए जाते।

संपादकीय

डिजिटल युग में हिंदी चुनौतियाँ और संभावनाएँ

मोबाइल की चमकती स्क्रीन पर सिमटती दुनिया में शब्दों की गहराई कहीं धीरे-धीरे धुंधली होती प्रतीत होती है। डिजिटल युग ने ज्ञान को हमारी उँगलियों तक पहुँचा दिया है; सूचना का विस्तार अभूतपूर्व है। परंतु भाषा से हमारा आत्मीय रिश्ता पहले जैसा सशक्त नहीं रहा। तकनीक आज जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है—शिक्षा, संवाद, शोध और मनोरंजन—सब कुछ डिजिटल माध्यमों से जुड़ गया है। ऐसे में शिक्षण पद्धति में परिवर्तन स्वाभाविक है, किंतु इस परिवर्तन के बीच हिंदी भाषा का शिक्षण नई परिस्थितियों और चुनौतियों का सामना कर रहा है। एक हिंदी शिक्षिका के रूप में प्रतिदिन यह अनुभव होता है कि बच्चों के विचारों में कमी नहीं है। वे जिज्ञासु हैं, कल्पनाशील हैं, संवेदनशील भी हैं। परंतु जब उन विचारों को शब्दों में ढालने का समय आता है, तो वे ठिठक जाते हैं। हाल ही में, कक्षा में विद्यार्थियों से उनके मनपसंद विषय पर कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहा। सभी के पास भाव थे, अनुभव थे, पर शब्द नहीं। कई विद्यार्थियों ने सहज भाव से कहा—सोच तो है, पर लिखने के लिए शब्द नहीं मिलते। उस क्षण यह स्पष्ट हुआ कि समस्या प्रतिभा की नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की है। डिजिटल माध्यमों ने संवाद को त्वरित और संक्षिप्त बना दिया है। चैट भाषा, इमोजी और मिश्रित भाषायी प्रयोग (हिंग्लिश) का प्रभाव बच्चों की हिंदी शब्दावली को सीमित कर रहा है। लंबे वाक्य लिखने की प्रवृत्ति कम हो रही है। शुद्ध वर्तनी और व्याकरणिक सावधानी पर ध्यान घटता जा रहा है। 'है' और 'हैं', 'क्योंकि' और 'क्युकी', 'वहाँ' और 'वहा' जैसे सरल शब्दों में भी भ्रम देखने को मिलता है। कई बार बच्चे अपनी त्रुटियाँ पहचानने में भी असमर्थ होते हैं। जब भाषा की बुनियाद कमजोर होती है, तो आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि देश के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालय, जो केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (ष्टक्चस्श्व) से संबद्ध हैं, अपनी शिक्षण पद्धति में मुख्य रूप से अंग्रेजी माध्यम का उपयोग करते हैं। यद्यपि यह बोर्ड हिंदी माध्यम के विद्यालयों को भी पूरी मान्यता प्रदान करता है, फिर भी व्यवहार में अधिकांश विद्यार्थी अन्य विषयों का अध्ययन अंग्रेजी में करते हैं। यह स्वाभाविक है कि विद्यार्थी जिस भाषा में विज्ञान या गणित जैसे विषय पढ़ते हैं, वे उसी में अधिक सहज हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, हिंदी उनके लिए अभिव्यक्ति का माध्यम कम और केवल एक 'विषय' अधिक बनकर रह जाती है। अभिभावकों की प्राथमिकताओं में भी अंग्रेजी का महत्व बढ़ा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों को वैश्विक अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। इस प्रयास में अनजाने में घर और विद्यालय दोनों स्थानों पर हिंदी के सक्रिय प्रयोग और पठन के अवसर सीमित हो जाते हैं।

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

लेखक - ललित गर्ग

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही।

वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। अभी न जाओ छोड़ कर जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है। आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। पिया तू अब तो आजा, दम मारो दम, चुरा लिया है तुमने, दिल चीज क्या है जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है। आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है। आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया।

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

लेखक - विनोद कुमार सिंह

विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। 'नारी शक्ति वंदन' का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है।यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है।केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है।परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।

भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं।उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं। जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और लखपति दीदी जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है।विपक्ष के अनुसार,यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दर्शाती है।यह टकराव केवल विधायी प्रक्रिया का नहीं,बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का संघर्ष बन चुका है।एक ओर सत्ता पक्ष इसे उपलब्धियों की श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत कर रहा है,तो दूसरी ओर विपक्ष इसे अधूरी प्रतिबद्धता और राजनीतिक गणित का परिणाम बताने में लगा है।इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष नारी शक्ति को अपने-अपने तरीके से केंद्र में रख रहे हैं,जो इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं का मुद्दा अब भारतीय राजनीति में निर्णायक बन चुका है।अगर हम इस पहलू के संभावित लाभों की चर्चा करें तो यह स्पष्ट है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र अधिक संतुलित और समावेशी बन सकता है।

पंचायत स्तर पर महिलाओं की सक्रिय भूमिका पहले ही यह साबित कर चुकी है कि जब उन्हें अवसर मिलता है,तो वे विकास की प्राथमिकताओं को नई दिशा देती हैं।जल,स्वास्थ्य,शिक्षा और पोषण जैसे विषयों पर उनका दृष्टिकोण अधिक संवेदनशील और व्यावहारिक होता है।यदि यही अनुभव संसद और विधानसभाओं तक पहुंचता है,तो नीतियों में व्यापक बदलाव संभव है।

हरदा का चौमुखी विकास

पूर्व कृषि मंत्री कमल जी पटेल के प्रयासों की एक झलक

मध्य प्रदेश के पूर्व किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री कमल जी पटेल का कार्यकाल हरदा जिले के लिए बुनियादी ढांचे और कृषि क्षेत्र में बदलाव का समय माना जाता है। उनके नेतृत्व में हर घर नल, हर खेत पानी और हर गांव सड़क के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए।

1. हर खेत को नर्मदा का जलः सिंचाई क्रांति

कमल जी पटेल के प्रयासों से हरदा जिले को शत-प्रतिशत सिंचित बनाने का लक्ष्य रखा गया था। इसमें सबसे महत्वपूर्ण मोरंड-गंजाल सिंचाई परियोजना रही है, जिसे हाल ही में 426 करोड़ रुपये के निवेश के साथ गति मिली है।

* **लक्ष्यः** इस परियोजना का उद्देश्य 201 गांवों के लगभग 1.60 लाख एकड़ क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना है।

* **उद्वहन सिंचाईः** शहीद दीप सिंह चौहान उद्वहन सिंचाई परियोजना के माध्यम से टेल क्षेत्र के किसानों तक पानी पहुँचाने का कार्य किया गया।

* **पाइपलाइन सिंचाईः** जिले के 118 गांवों में पाइपलाइन के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की योजना पर कार्य किया गया ताकि किसानों को डीजल और पाइप बिछाने की अतिरिक्त लागत से बचाया जा सके।

2. हर घर नल-जल योजना

ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए कमल पटेल के कार्यकाल में जल जीवन मिशन के तहत घर-घर शुद्ध पेयजल पहुँचाने पर विशेष जोर दिया गया।

* हरदा के नए जुड़े वार्डों और ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों की लागत से नल-जल योजनाएं स्वीकृत की गईं।

* पेयजल योजनाओं के माध्यम से विशेष रूप से महिलाओं को पानी के लिए होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिली है।

3. सड़कों का जाल और बेहतर कनेक्टिविटी

गांवों को शहरों से जोड़ने के लिए सड़कों और पुलों का व्यापक निर्माण किया गया।

* **ग्रामीण सड़केंः** विधानसभा क्षेत्र में लगभग 90 नई सड़कें और 22 पुल-पुलियाओं का निर्माण कर ग्रामीण परिवहन को सुगम बनाया गया है।

4. कृषि एवं मंडी सुधार

कृषि मंत्री के रूप में उन्होंने हरदा की कृषि उपज मंडी को एक मॉडल मंडी के रूप में विकसित किया। साथ ही, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय दोगुनी करने के लिए तकनीक के उपयोग पर बल दिया।

सप्त किसानों को पर्याप्त बिजली मिल सके इसके लिए अनेक फीटर पास करवा कर बिजली समस्या का निराकरण किया गया

श्री कमल जी पटेल के इन प्रयासों ने न केवल हरदा को प्रदेश के विकसित जिलों की श्रेणी में लाकर खड़ा किया है, बल्कि यहाँ के किसानों और ग्रामीणों के जीवन स्तर में भी व्यापक सुधार लाने का मार्ग प्रशस्त किया है।

क्या आप मोरंड-गंजाल सिंचाई परियोजना के उन विशिष्ट गांवों की सूची देखना चाहेंगे जिन्हें इस योजना से लाभ मिलने वाला है?

जेल लोक अदालत का आयोजन 26 अप्रैल को

हरदा। शब्द सारांश। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हरदा, श्री अरविंद रघुवंशी के मार्गदर्शन में 26 अप्रैल को जिला जेल, हरदा में जेल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। जेल लोक अदालत के आयोजन का मुख्य उद्देश्य जेल में निरूद्ध बंदियों के लंबित प्रकरणों का त्वरित और सौहार्दपूर्ण निराकरण करना है, ताकि उन्हें शीघ्र न्याय मिल सके।

खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित रूप से जांच कर खाद्य सामग्रियों के नमूने लें

जिन प्रकरणों में पेनल्टी अधिरोपित की गई है, उनकी वसूली की कार्यवाही की जाए

शब्द सारांश | हरदा

खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित रूप से जांच कर खाद्य सामग्रियों के नमूने लें। अवैध उत्खनन के जिन प्रकरणों में पेनल्टी अधिरोपित की गई है, उनमें वसूली की कार्यवाही सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक में अधिकारियों को दिये। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री शशांक, अपर कलेक्टर श्री पुरूषोत्तम कुमार सहित अन्य संबंधित जिला अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि तंबाकु नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास तम्बाकु उत्पाद विक्रय करने वाले विक्रेताओं के

विरूद्ध कार्यवाही की जाए। कलेक्टर ने पीएम राहत योजना के तहत सम्बद्ध चिकित्सालयों के कैशलेस उपचार की नियमित रूप से समीक्षा करने के निर्देश दिये। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री शशांक ने निर्देश दिये कि जिले में चिन्हित ब्लेक स्पॉट पर सुरक्षा बढ़ाने, व यातायात प्रबन्धन सुधारने और दुर्घटनाओं को कम करने के उपाय किये जायें। कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिये कि हरदा शहरी क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश प्रतिबंधित किये जायें। इस हेतु संकेतक बोर्ड भी लगाये जाएं।

जन अभियान परिषद की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

शब्द सारांश | हरदा

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, जिला हरदा द्वारा कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। बैठक में जिले में कार्यरत विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में जिला समन्वयक श्री संदीप गौहर ने परिषद के उद्देश्यों एवं गतिविधियों पर विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि जनअभियान परिषद समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़कर जनभागीदारी के माध्यम से विकास कार्यों को गति दे रही है। इस दौरान स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने कार्यों की जानकारी साझा की। इस दौरान 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत बोरी बंधान, नर्सरी निर्माण तथा प्याऊ व्यवस्था जैसे कार्यों पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में नवांकुर संस्थाओं द्वारा किए जा रहे प्रयासों को भी सराहा गया।

बैठक में एनजीओ डायरेक्टरी तैयार करने के विषय पर भी चर्चा हुई, जिससे सभी संस्थाओं के कार्यों का समन्वय बेहतर हो सकेगा इस संबंध में संस्थाओं के सर्वे प्रपत्र भरकर राज्य स्तर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के राज्य कार्यालय पर भेजा जाएगा।

कलेक्टर श्री जैन ने जिले में किए जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए एनजीओ से सहयोग की अपील की। उन्होंने जनअभियान परिषद द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के विकास में स्वयंसेवी संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर हरदा, टिमरनी एवं खिरकिया विकासखंड के समन्वयक, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा लगभग 40 स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का संतुष्टीपूर्वक निराकरण करें

हरदा। शब्द सारांश। सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों का निराकरण संतुष्टीपूर्ण तरीके से करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी शिकायत नॉट अटेण्ड न हो। यह निर्देश कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये। उन्होने कृषि विभाग के अधिकारियों को जिले में मूंग फसल को ध्यान में रखते हुए कीटनाशक दवाओं व उर्वरकों के सैम्पल लेने के निर्देश भी दिये। उन्होने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व व तहसीलदार को निर्देशित किया कि सभी पटवारियों की नियमित बैठक लेकर कार्यों की प्रगति की समीक्षा करें। कलेक्टर ने बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा भी की। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी सौंपे गये लक्ष्यों को पूर्ण करें। इस दौरान उन्होने अभियान के तहत बनाये जा रहे रेन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होने बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित पोषण अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी सुपरवाईजर नियमित रूप से सेम एवं मेम बच्चों की प्रगति की जानकारी नियुक्त किये गये जिला अधिकारियों को दें।

ग्रामीण महिलाओं ने किया शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

कांग्रेस नेता के साथ धरने पर बैठी महिलाएं

हरदा। शब्द सारांश

नर्मदापुरम/इटारसी। सोहागपुर विधानसभा के तहत आने वाले ग्राम चांदोन में शराब की दुकान खोलने के विरोध में कांग्रेसी नेता गजानंद तिवारी अपने साथियों ओर गांव की लगभग एक सैकड़ा महिलाओं को साथ लेकर जयस्तंभ चौक पर धरने पर बैठ गए। महिलाओं का कहना है कि एक हफ्ते पहले शराब की दुकान हटाने के लिए हमने एक दिन धरना दिया था ।तब वहां पर तहसीलदार और पथरोटा थाना प्रभारी ने आकर आश्वासन दिया था की दुकान हटवा देंगे, लेकिन एक सप्ताह हो गया कोई कार्रवाई नहीं हुई । महिलाओं का कहना है कि वे बहुत परेशान हैं एवं वहां से आने-जाने में असहाय महसूस कर रही है गांव की बेटियां अब वहां पर से आने जाने में डर रही है ।स्कूल भी उसी जगह से जाना पड़ता है हम लोगों को कुछ लोग धमकी दे रहे हैं डरा रहे है और झूठे केस में फंसाने की भी धमकी दे रहे हैं गाली देते है। हमारे द्वारा लगातार शिकायत के

बाद भी अभी तक शराब दुकान नहीं हटाई गई। सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम चांदौन में शराब दुकान खोले जाने के विरोध में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं और गांव की महिलाओं ने इटारसी के जयस्तंभ चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शराब दुकान हटाओ, आबकारी मुर्दाबाद और भाजपा मुर्दाबाद के नारे लगाए।इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल यंग ब्रिगेड प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव नेहा चावरे, नीलम गांधी, अधिवक्ता संतोष गुरयानी, अधिवक्ता पारस जैन, सेवादल जिला अध्यक्ष अमित गुप्ता, दिलीप गोस्वामी पार्षद, संजय धर,इरफान गोलंदाज, नरेश चौहान, पंकज राठौर, मयूर जायसवाल, मोहन झलिया, लखन बेस, प्रमोद कलोसिया, नारायण गौर, प्रवीण गांधी, राजेश चौहान, इरफान गोलंदाज, शैलेश जैन, गोल्डी बेस, अनूप गांचले, अमित मनवारे, किशोर यादव, यंग ब्रिगेड अध्यक्ष उत्कर्ष गालर, किशन सिंह मंटू ठाकुर सहित अनेक कांग्रेसजन एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

ऑटो पार्ट्स की दुकान में अचानक लगी आग से लाखों का सामान जलकर खाक

शब्द सारांश। नर्मदापुरम। कुलामढ़ी रोड पर स्थित अनाया ऑटो पार्ट्स की दुकान में अचानक भीषण आग लगने से लाखों का नुकसान हो गया।आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में दुकान के भीतर रखा लाखों रुपये का कीमती सामान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया। बताया जा रहा है कि घटना उस समय हुई जब दुकानदार दुकान बंद कर लंच करने गया था ।तभी यह हादसा हुआ। आग लगने की सूचना मिलते ही देहात थाना पुलिस का बल तत्काल मौके पर पहुँचा। फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुँच गई। दमकल कर्मियों ने लगभग आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और इसे फैलने से रोका। मौके पर मौजूद लोगों और प्राथमिक आकलन के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। पुलिस ने घटना के संदर्भ में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही आग लगने की असली वजह और हुए कुल नुकसान का सही खुलासा हो पाएगा। आधे घंटे की मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

नर्मदापुरम में अंबेडकर जयंती पर निकाली वाहन रैली:यूपीएससी में चयनित हुए श्रेयांश बड़ोदिया का कलेक्टर ने किया सम्मान

शब्द सारांश। नर्मदापुरम। भारत रत्न, संविधान निर्माता श्रद्धेय बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती मंगलवार को जिलेभर में मनाई गई। अजाक्स (AJAKS – अनुसूचित जाति/जनजाति अधिकारी एवं कर्मचारी संघ) ने भाजपा कार्यालय के सामने आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर कार्यक्रम किया। कलेक्टर सोमेश मिश्रा, कार्यवाहक जिला अध्यक्ष एनआर हरियाले, जिला अध्यक्ष रविशंकर वाल्मीकि ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर उन्हें नमन किया। एनआर हरियाले, रविशंकर वाल्मीकि ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, प्रारंभिक शिक्षा, संविधान निर्माण समिति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला।

मलेशिया में फिर भारत का परचम लहराने उतरेंगी मना मंडलेकर

शब्द सारांश | हरदा

मध्य प्रदेश की प्रतिभाशाली कराटे खिलाड़ी मना मंडलेकर एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं। मना, जो तिनका सामाजिक संस्था की सह-संस्थापक भी हैं, पिछले 14 वर्षों से कराटे का निरंतर अभ्यास कर रही हैं और हजारों बालिकाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का कार्य कर रही हैं। मना इससे पहले कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर अपनी पहचान बना चुकी हैं। खास बात यह है कि एक वर्ष के भीतर यह उनका तीसरा अंतरराष्ट्रीय दौरा है, जो उनके समर्पण और मेहनत को दर्शाता है।

17 से 19 अप्रैल तक कुआलालंपुर,

मलेशिया में आयोजित इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में मना -55 किलोग्राम वर्ग में हिस्सा लेंगी और पदक जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगी। उनके प्रशिक्षक रितेश तिवारी के अनुसार, मना 15 अप्रैल को चेन्नई एयरपोर्ट से टीम इंडिया के साथ रवाना होंगी। इस दौरान गौरव सिंध्या (उपाध्यक्ष, कराटे इण्डिया फेडरेसन) भी टीम के साथ मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि मना पहले दो बार इसी मंच पर पदक के बेहद करीब पहुंचकर चूक चुकी हैं, लेकिन इस बार उनके अनुभव और आत्मविश्वास को देखते हुए उनसे पदक की पूरी उम्मीद है।

इस अवसर पर टिमरनी नगर पालिका अध्यक्ष देवेन्द्र भरद्वाज, क्रिकेट खिलाड़ी अंकित कनेरे, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लोकेश प्रधान, अर्पण सांखला सहित तिनका सामाजिक संस्था ने मना को शुभकामनाएं दी हैं। मना की यह यात्रा सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि समाज में बदलाव की प्रेरणादायक कहानी है, जो खेल के माध्यम से बेटियों को सशक्त बना रही है।

20 दिन बाद भी नहीं उठा 115 मीट्रिक टन गेहूं:नागरिक आपूर्ति निगम के स्टॉफ पर लगाए रुपए मांगने के आरोप, पहले भी की शिकायत

शब्द सारांश। नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक के आदेश के बावजूद श्रीनाथ वेयरहाउस से 20 दिन बाद भी गेहूं का उठाव नहीं किया गया। जबकि नियमों के अनुसार माल 5 दिन के भीतर उठाया जाना चाहिए था। देरी के कारण वेयरहाउस संचालक परेशान हैं। वेयरहाउस संचालक के प्रतिनिधि 73 वर्षीय मोहन पालीवाल ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि निगम की एक कनिष्ठ अधिकारी ऋतु कुमरे, प्रदाय केंद्र प्रभारी पिपरिया आयुष अवधिया और भरत कुमार(सर्वेयर) द्वारा गेहूं उठाने के लिए 20 रुपए प्रति क्विंटल की रिश्वत मांगी गई। राशि नहीं देने पर 20 दिन बाद भी 115 मीट्रिक टन गेहूं का उठाव नहीं किया गया। मोहन पालीवाल ने बताया कि उनकी पत्नी शोभा पालीवाल श्रीनाथ वेयरहाउस की संचालिका हैं और वे स्वयं प्रतिनिधि के तौर पर देखरेख करते हैं। वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर खरीदा गया।

डॉ. गुर्जर डेंटल क्लीनिक
फिक्स दांत, रूट केनाल इलाज, आडे-तिरछे दांतो का 100 प्रतिशत इलाज
डॉ. मनीष गुर्जर (बी.डी.एस. , डी.पी.एच.)
पता:- सरकारी हास्पिटल के पास, हरदा म.प्र. मोबाइल नं. - 7509850234

आई.टी.सी.एल. कम्प्यूटर सेन्टर
कम्प्युटर से संबधित सभी प्रकार के कोर्स कराये जाते है एवं कम्प्युटर सुधारने एवं बेचने के कार्य किये जाते है
दीपक कुमार नेमा (संचालक)
पता: - काशीबाई कन्याशाला के सामने, हरदा म.प्र. मोबाइल नं.- 9993117760

हम टकराव नहीं बल्कि संवाद चाहते थे

कृषि मेले में नहीं जा पाए जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी आज रायसेन जा रहे थे। लेकिन पुलिस ने उन्हें और कार्यकताओं को रोक लिया। उन्होंने कृषि मेले में शामिल होने की अनुमति मांगी थी लेकिन परमिशन नहीं दी गई। पटवारी ने मीडिया से चर्चा में कहा कि वे टकराव नहीं बल्कि संवाद चाहते थे। उन्होंने कहा कि मेरा मन कृषि मेले में जाने का है और मैंने पहले ही कहा था कि जब शिवराज जी अनुमति देंगे, तभी जाऊंगा। पटवारी ने बताया कि सुबह उनके पास पुलिस अधिकारियों का फोन आया, जिसमें कहा गया कि सरकार नहीं चाहती कि वे मेले में आएं। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें रोकने के लिए रास्तों में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वे केवल मेले में जाकर खेती की आधुनिकता को समझना चाहते थे, लेकिन सरकार विपक्ष की उपस्थिति से घबरा गई है। जीतू पटवारी ने पुलिस के रोके जाने पर कहा

कि मैं कृषि मेले में जाना चाहता हूं। मैने कहा था शिवराज जी जब अनुमति देंगे तो में जाऊंगा। मैने पत्र भी लिखा और कहा था कि अनुमति नहीं मिली तो आखिरी दिन जाऊंगा। आज मुझे पुलिस अधिकारी का फोन आया कि सरकार नहीं चाहती कि आप जाएं। मुझे रोकने के लिए हजारों की संख्या में पुलिस रास्तों में खड़ी कर दी। जीतू पटवारी ने आगे कहा, मुझे मेले में जाने के लिए अब तक समय नहीं मिला। मैं कृषि मेले में जाकर आधुनिकता को देखना चाहता हूं। किसानों ने 2 हजार रुपए से कम दाम में गेहूं मंडियों में बेचा। उन्हें भारी नुकसान हो रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री के नेतृत्व में मेला हो रहा है जिसमें नितिन गडकरी भी शामिल हुए। कांग्रेस बार बार किसानों के मुद्दे उठा रही है। मंडी में लूट रहा अन्नदाता कृषि मेले की चकाचौंध के बीच जीतू पटवारी ने प्रदेश के किसानों की बदहाली का मुद्दा उठाया। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि एक तरफ भारत सरकार इतना बड़ा मेला आयोजित कर रही है, जहां देशभर के मंत्री और मीडिया जमा हैं, वहीं दूसरी तरफ जमीन पर किसान खून के आंसू रो रहा है। पटवारी ने दावा किया कि प्रदेश की मंडियों में किसानों को गेहूं का उचित दाम नहीं मिल रहा है और वे 2 हजार रुपए से भी कम कीमत पर अपनी उपज बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब किसान भारी नुकसान उठा रहा है, तो ऐसे आयोजनों का क्या औचित्य? कांग्रेस लगातार इन मुद्दों को उठाती रहेगी।

कोर्ट की शरण में गए 2000 संविदा कर्मियों की नौकरी खतरे में

कॉन्ट्रैक्ट का नहीं होगा नवीनीकरण, अब अदालत जाना भी सजा का कारण?

भोपाल। मध्य प्रदेश में करीब 2000 संविदा कर्मियों के सामने नौकरी पर संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, जिन कर्मचारियों ने अपने सेवा संबंधी मुद्दों को लेकर अदालत का रुख किया है, उनके कॉन्ट्रैक्ट के नवीनीकरण पर रोक लगाने की तैयारी की जा रही है। संबंधित विभागों ने संकेत दिए हैं कि कोर्ट में प्रकरण दर्ज कराने वाले कर्मियों के अनुबंध रिन्यू नहीं किए जा सकते। इस फैसले से संविदा कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ गई है। उनका कहना है कि न्याय के लिए अदालत जाना उनका संवैधानिक अधिकार है, और इसे सजा का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। कर्मचारी संगठनों ने इसे दबाव की कार्रवाई बताते हुए सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की है। वहीं, प्रशासन का पक्ष है कि अनुबंध नवीनीकरण प्रक्रिया नियमों के तहत होती है। मामले को लेकर कानूनी और प्रशासनिक बहस तेज हो गई है।

बड़ा तालाब किनारे अवैध कब्जों पर चली जेसीबी

सेवनिया, गौरागांव में कार्रवाई; बाउंड्रीवॉल समेत पक्के निर्माण तोड़े

भोपाल। भोपाल के बड़ा तालाब को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए जिला प्रशासन ने सोमवार को फिर से कार्रवाई की। टीटी नगर एसडीएम वृत्त की टीम सेवनिया और गौरा गांव पहुंची। यहां पर बड़ा तालाब के दायरे में ही बाउंड्रीवॉल समेत कई पक्के निर्माण थे। जिन्हें जेसीबी की मदद से हटा दिया गया। एसडीएम अर्चना शर्मा, तहसीलदार कुणाल रावत के निर्देशन में टीमों ने यह कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस बल भी मौजूद रहा। ताकि, हंगामा होने पर निपटा जा सके। दोपहर तक कार्रवाई चली। इस दौरान आधा दर्जन से ज्यादा अतिक्रमण हटा दिए गए। बता दें कि प्रशासन ने तालाब के चारों ओर कुल 347 अतिक्रमण चिन्हित किए हैं, जिन्हें अगले 15 दिन में हटाया

जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भोज वेटलैंड रूल्स लागू होने (16 मार्च 2022) के बाद बने सभी निर्माण हटाए जाएंगे। बड़ा तालाब के स्नङ्गरु (फुल टैंक लेवल) से 50 मीटर तक के अतिक्रमण पर कार्रवाई की जा रही है। इसके चलते सोमवार को यह कार्रवाई की गई। दो महीने में लिस्टेड किए कब्जे पिछले दो महीने से जिला प्रशासन अतिक्रमण को चिह्नित कर रहा था। टीटी नगर एसडीएम वृत्त के गौरा गांव, बिसनखेड़ी में सबसे ज्यादा कब्जे सामने आए थे। वहीं, बैरागढ़, बहेटा में भी लोगों ने तालाब की सीमा पर निर्माण कर लिए हैं।

कमजोर जिला अध्यक्षों पर गिरेगी गाज

संगठन को पटरी पर लाने के लिए कड़े कदम उठाने जा रही कांग्रेस

भोपाल। लगातार चुनावी झटकों के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस अब संगठन को पटरी पर लाने के लिए कड़े कदम उठाने जा रही है। पार्टी ने साफ संकेत दे दिए हैं कि अब केवल पद नहीं, बल्कि काम ही पहचान तय करेगा। इसी के तहत 15 से 18 अप्रैल तक जिला अध्यक्षों के कामकाज की विस्तृत समीक्षा की जाएगी, जिसमें कमजोर प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई लगभग तय मानी जा रही है। संगठन सृजन अभियान के राष्ट्रीय प्रभारी चल्ला वामशी चंद रेड्डी राजधानी भोपाल में चार दिन तक डेरा डालेंगे। इस दौरान वे प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सभी 71 जिला अध्यक्षों से एक-एक कर आमने-सामने चर्चा करेंगे। हर अध्यक्ष को उसके पिछले आठ महीने के काम का पूरा ब्यौरा दिखाया जाएगा और उसी आधार पर जवाब भी लिया जाएगा। रिपोर्ट कार्ड सामने, जवाब देना होगा बताया जा रहा है कि सभी जिला अध्यक्षों की कार्यप्रणाली पर विस्तृत रिपोर्ट पहले से तैयार है। समीक्षा के दौरान यह रिपोर्ट उनके सामने रखी जाएगी। जिन जिलों में संगठन कमजोर पड़ा है या गतिविधियां ठंडी रही हैं, वहां के अध्यक्षों को सीधा जवाब देना होगा। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पद से हटाने की कार्रवाई भी हो सकती है। जानकारी के अनुसार जिन बिंदुओं पर समीक्षा होगी उनमें मतदाता सूची के कार्य में कितनी भागीदारी रही, जिले में जनसंपर्क और संगठनात्मक गतिविधियां कितनी सक्रिय रहीं, बूथ और पंचायत स्तर तक संगठन कितना मजबूत हुआ और

स्थानीय मुद्दों पर पार्टी की मौजूदगी कैसी रही आदि शामिल हैं। भोपाल में शक्ति प्रदर्शन, 17 को बड़ा सम्मेलन 17 अप्रैल को रविन्द्र भवन में ब्लॉक अध्यक्षों का पहला बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें सांसद, विधायक, जिला अध्यक्ष और संगठन के प्रमुख पदाधिकारी शामिल होंगे। इस मंच से आगामी रणनीति और संगठन की नई दिशा तय की जाएगी। पार्टी ने पिछले वर्ष 16 अगस्त को 71 जिला अध्यक्षों की नियुक्ति कर उन्हें संगठन खड़ा करने की पूरी जिम्मेदारी सौंपी थी। शुरूआत में उन्हें काम करने की खुली छूट दी गई, लेकिन अब उसी काम का मूल्यांकन किया जा रहा है। इससे साफ है कि संगठन में अब जवाबदेही तय की जा रही है और ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी।

मध्यप्रदेश में सडकों का बिछेगा जाल

कैबिनेट बैठक में इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार पर सरकार का बड़ा दांव

भोपाल। राज्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने और सडक नेटवर्क को आधुनिक बनाने की दिशा में मंत्रि-परिषद ने एक बड़ा और दूरगामी फैसला लिया है। विकास की गति को निरंतर बनाए रखने के लिए लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत विभिन्न महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए कुल 10,801 करोड़ रुपये की बड़ी राशि स्वीकृत की गई है। यह निर्णय न केवल राज्य के परिवहन को सुगम बनाएगा, बल्कि आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी लाएगा। मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों के लिए 10,801 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गई। इसके अंतर्गत बी.ओ.टी. मार्गों का विकास एवं पर्यवेक्षण के लिए 150 करोड़ रुपए, बी.ओ.टी. परियोजनाओं की समाप्ति पर भुगतान के लिए 765 करोड़ रुपए, एन्यूटी भुगतान के लिए 4564 करोड़

रुपए और म.प्र. सडक विकास निगम (एन.डी.बी.) बाह्य वित्त परियोजना के लिए 5322 करोड़ रुपए की स्वीकृति सहित सोलहवे वित्त आयोग की अवधि 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर रखे जाने की स्वीकृति दो गई है। सोलहवें वित्त आयोग की अवधि तक जारी रहेंगी योजनाएं सरकार ने स्पष्ट किया है कि बुनियादी ढांचे का विकास किसी एक वित्तीय वर्ष तक सीमित नहीं रहेगा। मंत्रि-परिषद ने इन विकास कार्यों को सोलहवें वित्त आयोग की पूरी अवधि, यानी 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक निरंतर जारी रखने की स्वीकृति दी है। यह कदम दीर्घकालिक नियोजन और परियोजनाओं के समयबद्ध निष्पादन में सहायक सिद्ध होगा।

परिवहन और आर्थिक विकास का आधार

लोक निर्माण विभाग की इन परियोजनाओं का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के दूरस्थ अंचलों को मुख्य शहरों से जोड?ा और व्यापारिक मार्गों की गुणवत्ता में सुधार करना है। उच्च गुणवत्ता वाली सडकों से न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि ईंधन की बचत और दुर्घटनाओं में कमी आने की भी संभावना है। मंत्रि-परिषद के इस निर्णय से निर्माण क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सरकार की इस मंशा से साफ है कि आगामी पांच वर्षों में राज्य का सडक नेटवर्क एक नए स्वरूप में नजर आएगा। बाह्य वित्तीय संस्थाओं जैसे ह्यष्ठक्क का सहयोग यह दर्शाता है कि राज्य की सडक परियोजनाएं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार की जा रही हैं।

मीडवासा सिंचाई परियोजना के लिए 286.26 करोड़

कैबिनेट की बैठक के बाद प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने मीडिया को फैसलों की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को त्वरित लागू करने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया हैं, जिसके लिए पीएम नरेंद्र मोदी का कैबिनेट ने आभार प्रकट किया हैं। एमपी में बीजेपी की सरकार बनने के बाद से प्रदेश में सिंचाई का रकबा लगातार बढ़ रहा है। मीडवासा सिंचाई परियोजना सागर को हरी झंडी मिली है। लोक कल्याणकारी और विकास कार्यों के लिए 19 हजार 810 करोड़ की स्वीकृति। सागर जिले की मिडवासा मध्यम सिंचाई परियोजना के लिए 286.26 करोड़ की प्रशासकीय स्वीकृति। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मेकेनाईजेशन के लिए 2250 करोड़ की स्वीकृति। भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग के अंतर्गत स्वास्थ्य सेवाओं के लिए 1005 करोड़ का अनुमोदन। प्रदेश में नवीन चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना के लिए 1674 करोड़ की स्वीकृति। पंचायत एवं ग्रामीण विकास की योजनाओं के लिए 3553.35 करोड़ की स्वीकृति। बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना, वन स्टॉप सेंटर योजना एवं महिला हेल्पलाइन-181 योजना के संचालन के लिए 240.42 करोड़ की स्वीकृति। 8 नये वन स्टॉप सेंटर के संचालन की स्वीकृति। लोक निर्माण के अंतर्गत विकास कार्यों के लिए 10,801 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है।

मनमाने तरीके से एओए बनाने की शिकायत, डिप्टी रजिस्ट्रार से की जांच की मांग

गाजियाबाद। हम-तुम रोड स्थित महक जीवन सोसायटी में एओए पदाधिकारी, बिल्डर और मनमाने तरीके से एओए बनाने की शिकायत करने वाला पक्ष आमने-सामने आ गए हैं। तीनों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। डिप्टी रजिस्ट्रार ने इसे आपसी विवाद का मामला बताकर जांच कराने की बात कही है।

शिकायतकर्ता मुरारीलाल शर्मा का कहना है कि सोसायटी के सदस्यों ने उत्पन्न समस्याओं के निस्तारण और हितों के काम के लिए मार्च 2025 में एक्शन प्लान कमेटी बनाई। निवासियों ने मिलकर दिसंबर में एक आम सभा का आयोजन रखा। इसमें बिल्डर की मनमानी के खिलाफ आवाज उठाई गई। बाद में सूचना मिली कि बिल्डर ने एओए बनवा दी है और कुछ पदाधिकारियों के साइन फर्जी मिले। इसमें उपाध्यक्ष अनीता शर्मा भी शामिल हैं।

मुरारीलाल शर्मा का कहना है कि एओए का गठन फर्जी तरीके से किया गया है। उन्होंने डिप्टी रजिस्ट्रार को पत्र लिखकर जांच कराने की मांग की है।

इस संबंध में एओए अध्यक्ष विपिन तोमर का कहना है कि एसोसिएशन में आठ सदस्य हैं। सात हर बैठक में आते हैं। शिकायतकर्ता मुरारीलाल शर्मा की पत्नी और उपाध्यक्ष अनीता शर्मा किसी बैठक में नहीं आतीं।

जब कारण बताओ नोटिस जारी किया गया तो फर्जी हस्ताक्षर की झूठी कहानी गढ़ी जा रही है। पहली एसोसिएशन का चुनाव निर्विरोध हुआ था। छह दिसंबर 2025 को यह पंजीकृत हो चुकी है। अब तक कोई शिकायत क्यों नहीं की।

हम बिल्डर से हैंडओवर लेने के प्रयास में हैं और कुछ लोग गंदी राजनीति कर रहे हैं। हमारे यहां विकास कार्य रुके हुए हैं। एसटीपी का सारा गंदा पानी पास के खाली प्लॉट में जमा हो रहा है। इससे मक्खी, मच्छर बीमारियां फैल रही हैं। काम न होने से हम बिल्डर से परेशान हैं।

एमसीडी में प्रतिनियुक्ति पर अंकुश की तैयारी, अपने अधिकारियों को देंगे प्रमोशन, सदन में प्रस्ताव पास

नई दिल्ली: एमसीडी में बड़े प्रशासनिक पदों पर प्रतिनियुक्ति से आने वाले अधिकारियों की बढ़ती संख्या पर अब अंकुश लगाने की तैयारी की जा रही है। एमसीडी ऐसे पदों पर अपने ही अधिकारियों को पदोन्नति देकर भरने के काम कर रहा है। इस संबंध में सदन में प्रस्ताव पास हो चुका है। इस प्रस्ताव पर असंतोष साफ तौर पर देखने को मिला है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि वर्तमान में अतिरिक्त आयुक्त व उपायुक्तों की तरह प्रशासनिक अधिकारी और सहायक आयुक्त जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी बाहरी विभागों के अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर लाया जा रहा है। इससे एमसीडी के स्थायी कर्मचारियों और अधिकारियों की पदोन्नति प्रभावित हो रही है। उनका कहना है कि लंबे समय से सेवा देने के बावजूद उन्हें आगे बढ़ने का अवसर नहीं मिल रहा।

सूत्रों के अनुसार, यह भी तर्क दिया गया है कि एमसीडी में वर्षों से कार्यरत अधिकारी स्थानीय कार्यप्रणाली, क्षेत्रीय समस्याओं और प्रशासनिक व्यवस्था से बेहतर तरीके से परिचित होते हैं। इसके विपरीत प्रतिनियुक्ति पर आने वाले अधिकारी नए होते हैं, जिन्हें काम समझने में समय लगता है।

इसी पृष्ठभूमि में सदन में लाए गए प्रस्ताव में मांग की गई है कि प्रशासनिक अधिकारी और सहायक आयुक्त के भर्ती नियमों में संशोधन कर इन पदों को 100 प्रतिशत एमसीडी कर्मचारियों

के लिए आरक्षित किया जाए। केवल उन स्थितियों में ही प्रतिनियुक्ति का विकल्प अपनाया जाए, जब एमसीडी के भीतर योग्य अधिकारी उपलब्ध न हों। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि वर्तमान में इन पदों पर यदि आवश्यकता से अधिक प्रतिनियुक्ति अधिकारी कार्यरत हैं तो उन्हें तुरंत प्रभाव से उनके मूल विभाग में भेजा जाए। उनकी जगह एमसीडी के योग्य अधिकारियों को पदोन्नत कर जिम्मेदारी सौंपी जाए। जानकारों का कहना है कि यदि यह प्रस्ताव लागू होता है तो इससे न केवल कर्मचारियों का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि कार्यकुशलता और जवाबदेही में भी सुधार देखने को मिलेगा।

रफ्तार के नए एक्सप्रेसवे पर आज से भर सकेंगे फरार्टा, इन वाहनों को नहीं मिली अनुमति

नई दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून अब नए संगम में जुड़ गई है। मंगलवार को दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता को समर्पित करेंगे। मंगलवार दोपहर दो बजे के बाद यह जनता के आवागमन के लिए खोल दिया जाएगा। हालांकि दोपहिया और तीन पहिया वाहनों को इस एक्सप्रेसवे पर चलने की अनुमति नहीं होगी। यह एक्सप्रेसवे सिर्फ सफर को तेज नहीं करेगा, बल्कि दिल्ली-एनसीआर को जाम से राहत, बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक रफ्तार का भी नया रास्ता देगा।

213 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेसवे के शुरू होने से दिल्ली से देहरादून का सफर, 6 घंटे के बजाय 2.5 घंटे में पूरा किया जा सकेगा। एक्सप्रेसवे पर वाहन फिलहाल 100 किमी प्रतिघंटा की गति से फरार्टा भरेंगे। दिल्ली में यह एक्सप्रेसवे अक्षरधाम से शुरू होता है और उत्तर प्रदेश के बागपत, शामली और सहारनपुर होते हुए उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में प्रवेश करता है। यह कॉरिडोर हरिद्वार, ऋषिकेश और मसूरी जाने वाले यात्रियों के लिए भी बड़ी राहत लेकर आएगा। खासकर वीकेंड टूरिज्म के लिहाज से यह एक्सप्रेसवे गेमचेंजर साबित होने वाला है। इस परियोजना का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने कराया है। वर्ष 2021 में निर्माण कार्य शुरू हुआ। करीब 12000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह एक्सप्रेसवे आधुनिक इंजीनियरिंग का नायाब उदाहरण है। एक्सप्रेसवे की सबसे बड़ी खासियतों में 6 लेन का हाई-स्पीड कॉरिडोर, 12 किमी का

वाइल्डलाइफ कॉरिडोर, अत्याधुनिक इंटरचेंज, सर्विस रोड, इमरजेंसी लेन और स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम शामिल हैं। सुरक्षा के लिहाज से सीसीटीवी, एम्बुलेंस और हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं भी मुहैया कराई गई हैं।

यमुनापार का ट्रैफिक दबाव होगा कम

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे पर जाने और निकलने की व्यवस्था शास्त्री पार्क के पास होगी। यहां पर कश्मीरी गेट से देहरादून जाने वाले वाहन शास्त्री पार्क के पास एक्सप्रेसवे पर जा सकेंगे। यूपी की ओर से एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहन शास्त्री पार्क के पास निकल भी सकेंगे। अधिकारियों ने बताया कि एक्सप्रेस वे के दिल्ली के हिस्से में एंट्री और एग्जिट पॉइंट इस हिसाब से बनाया गया है कि दक्षिणी मध्य, उत्तरी और पूर्वी दिल्ली के वाहनों चालकों की आवाजाही आसान हो सके। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे, विकास मार्ग, गीता कॉलोनी, गांधी नगर मार्केट, शास्त्री पार्क, सिग्नेचर ब्रिज इन सभी मार्गों से आने वाले वाहन चालकों को एक्सप्रेस वे पर चढ़ने के लिए एंट्री पॉइंट बनाए गए हैं। एक्सप्रेसवे का पहला खंड दिल्ली के अक्षरधाम से शुरू होता है। इसकी लंबाई 32 किलोमीटर है। यह लोनी से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (ईपीई) तक जाता है।

टोल अधिक लगेगा: एनएचएआई ने 210 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए टोल दरें निर्धारित कर दी हैं। पुराने रूट के जरिये देहरादून पहुंचने में कुल 445 का टोल लगता था जबकि नए एक्सप्रेसवे पर एक तरफ का सफर 675 रुपये का पड़ेगा। अगर कोई यात्री 24 घंटे के भीतर वापस आता है तो उसे दोनों तरफ के लिए 1,010 रुपये चुकाने होंगे। इस तरह एक दिन की यात्रा करने वालों को 340 की बचत होगी। एनएचएआई का अनुमान है कि इस मार्ग पर ट्रैफिक के भारी दबाव से सालाना 900-950 करोड़ की कमाई होगी। इस हिसाब से प्रोजेक्ट की मूल लागत निकालने में करीब 13 साल लगेगा।

अक्षरधाम से लोनी बॉर्डर तक टोल फ्री

अक्षरधाम से शुरू होकर लोनी बॉर्डर तक का लगभग 18 किलोमीटर का हिस्सा टोल-फ्री रहेगा। इसका उद्देश्य दिल्ली के स्थानीय ट्रैफिक को सुचारू रखना है ताकि रोजाना दफ्तर आने-जाने वालों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। साथ ही यमुनापार की अन्य सड़कों पर वाहनों का दबाव कम हो।

गीता कॉलोनी खेकड़ा तक दोपहिया वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध

एनएचएआई ने सुरक्षा का हवाला देते हुए गीता कॉलोनी से खेकड़ा के बीच 26 किलोमीटर लंबे सेक्शन पर बाइक, ऑटो और ट्रैक्टर के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगा दी है। उल्लंघन करने वालों पर 20,000 का जुमार्ना लगाया जाएगा।

अक्षरधाम से खेकड़ा तक मंडौला, लोनी बॉर्डर, खजूरी चौक, न्यू उस्मानपुर और शास्त्री पार्क जैसे क्षेत्र आते हैं। एनएचएआई ने राष्ट्रीय राजमार्ग भूमि और यातायात अधिनियम 2002 की धारा 35 के तहत मिली शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह अधिसूचना जारी की है।

सीएम रेखा की अपील: अफवाह या घबराहट में आकर जमा न करें सिलेंडर, घबराने की जरूरत नहीं, हेल्पलाइन नंबर जारी

नई दिल्ली: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में एलपीजी आपूर्ति को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि घरेलू और कमर्शियल दोनों तरह की गैस सप्लाई पूरी तरह सामान्य, पर्याप्त और नियंत्रण में है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अफवाह या घबराहट में आकर अनावश्यक भंडारण न करें। सीएम ने कहा कि गैस प्राप्त करने में समस्या हो तो खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की हेल्पलाइन नंबर 011-23379836, 8383824659 पर संपर्क कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि 12 अप्रैल को कुल 1,11,766 एलपीजी बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि तीनों ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मिलकर 1,30,094 सिलेंडरों की डिलीवरी की। यह संख्या बुकिंग से अधिक है, जिससे साफ है कि लंबित ऑर्डर तेजी से पूरे किए जा रहे हैं। साथ ही, औसत डिलीवरी समय घटकर 3.87 दिन रह गया है, जो पहले 4.24 दिन था। इससे उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल रही है। कमर्शियल एलपीजी की स्थिति पर उन्होंने कहा कि दिल्ली को प्रतिदिन 6,480 सिलेंडर मिल रहे हैं, जबकि पिछले एक सप्ताह में औसत खपत केवल 4,268 सिलेंडर रही है। इससे यह स्पष्ट है कि उपलब्धता मांग से कहीं अधिक है और किसी प्रकार की कमी की आशंका नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हेल्पलाइन सेवा सप्ताह के सभी दिनों में सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक उपलब्ध है।

भोजन पकाने के ये विकल्प होंगे कारगर

उन्होंने यह भी कहा कि जहां पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) उपलब्ध है, वहां उसका उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक और इंडक्शन कुकिंग जैसे विकल्प भी अपनाए जा सकते हैं। सरकार का कहना है कि सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं और आपूर्ति पूरी तरह सुचारू है।

गैस बुकिंग के बाद भी कई दिनों का इंतजार

नई दिल्ली। राजधानी में बुकिंग के बाद भी कई लोगों की शिकायत है कि सिलिंडर नहीं मिल रहा है। इसकी वजह से रसोई का कामकाज बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रही सही कसर कालाबाजारी ने खराब कर दी है। मजबूर उपभोक्ता अधिक कीमत देकर सिलिंडर लेने के लिए मजबूर हैं। पूर्वी दिल्ली के, शाहदरा, सीलमपुर, विवेक विहार, आनंद विहार, यमुनाविहार व खजूरी क्षेत्र में लोगों ने बताया कि गैस एजेंसियों के चक्कर लगाने के बावजूद कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा। एजेंसी संचालक सप्लाई में कमी का हवाला देकर पल्ला झाड़ रहे हैं।

निवेश के नाम पर 45.90 लाख की ठगी: आरोपी ने JFS ट्रेडर्स के नाम से बनाई थी कंपनी, करोड़ों के लेनदेन का खुलासा

के बैंक खाते में 10 लाख रुपये की ठगी की रकम पहुंची थी। शुरूआती जांच में इनके बैंक खाते से समन्वय पोर्टल पर दर्ज करीब 21 शिकायतें लिंक हुई है। पुलिस पूछताछ में जमशीद ने बताया कि इन लोगों ने जेएफएस ट्रेडर्स (जमशीद, फाहद और सज्जाद) नाम से फल बेचने के लिए एक कंपनी बनाई थी। इस कंपनी का बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध कराया था। इसमें पिछले कुछ दिनों के भीतर करोड़ों रुपये के लेनदेन का पता चला है। पुलिस को अन्य आरोपियों की तलाश है और जिन सात और बैंक खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर की गई उसकी भी पहचान की जा रही है।

अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि दिल्ली निवासी संदीप कुमार को फेसबुक के जरिये एक निवेश एप से जोड़ा गया। इसके बाद पीड़ित से धीरे-धीरे 45.90 लाख रुपये आठ अलग-अलग खातों में निवेश के नाम पर ले लिए गए। बदले में पीड़ित को सात करोड़ का मुनाफा होने का झांसा दिया गया। पीड़ित ने रकम निकालने का प्रयास किया तो ऐसा नहीं हुआ। आरोपियों ने उसे और निवेश करने का झांसा देने का प्रयास किया।

पीड़ित को ठगी का अहसास हो गया। उसने पुलिस से शिकायत की। बाद में मामला दर्ज कर जांच शुरू हुई। पुलिस ने जिन बैंक खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हुई, उनकी पड़ताल की। इसके एक खाते में 10 लाख रुपये ट्रांसफर हुए थे। पुलिस ने खाते ही पड़ताल की तो पता चला कि रकम जेएफएस ट्रेडर्स नामक कंपनी के खाते में ट्रांसफर हुई थी। खाता केरल से ऑपरेट हो रहा था।

पर्शियन बिल्ली की मौत का मामला पहुंचा विकास भवन

गाजियाबाद। इलाज के दौरान एक पर्शियन बिल्ली किट्टी की मौत का मामला सोमवार को विकास भवन पहुंचा। इसमें बिल्ली की मालकिन ने आरोप लगाया कि बिल्ली का गलत इलाज कर दिया गया। इस वजह से उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा बिल्ली गर्भवती थी और उसके दोनों बच्चों की जान चली गई। इस मामले में लालकुआं की रहने वाली कल्पना ने पशु चिकित्सा अधिकारी से शिकायत की है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मधुबन बापूधाम में शिकायत की थी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। परेशान होकर वह विकास भवन आई हैं। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसपी पांडेय ने बताया कि मामला पुलिस से जुड़ा है। इस मामले में पुलिस अगर जानकारी मांगती है तो विभाग जांच करेगा।

बनवाया था बिल्ली का पासपोर्ट: कल्पना ने बताया कि उनकी करीब डेढ़ साल की बिल्ली की 8 अप्रैल को तबीयत खराब हुई थी। वह उसे मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र के एक पेट क्लीनिक लेकर गई थीं। जहां कुछ जांच के बाद उसे ड्रिप लगाई गई। इसके बाद उनकी बिल्ली की तबीयत और खराब हो गई। उनका आरोप है कि अगले दिन हुई जांच में सामने आया कि बिल्ली गर्भवती है, लेकिन डॉक्टर ने बिना जांच के ही इलाज शुरू किया। इस कारण बिल्ली की तबीयत बिगड़ी और नोएडा के अस्पताल में उसकी 9 अप्रैल को मौत हो गई।

प्यार, सम्मान और समझदारी पर टिका होता है सास-बहू का रिश्ता

सास-बहू का रिश्ता सबसे अनोखा माना जाता है। यह रिश्ता प्यार, सम्मान और समझदारी पर टिका होता है, लेकिन कई बार यह चुनौतियों से भी भरा होता है।

एक मां से सास बनना आसान नहीं होता है। इस दौरान कई बदलाव आते हैं। कोई भी नया रिश्ता चुनौतियों और जिम्मेदारियों का एक नया सेट लेकर आता है। सास बनने का मतलब है कि परिवार की गतिशीलता में एक नई भूमिका निभाना। खास बात यह है कि इसे निभाना हर मांओ के लिए चैलेंजिंग होता है। इसी के साथ चलिए रिलेशनशिप एक्सपर्ट आशमीन मुंजाल से इन चुनौतियों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

रिश्तों में संतुलन का डगमगाना

एक नई सास के रूप में कई बार माताएं अपनी बहू से अच्छी तालमेल नहीं बना पाती हैं। हालांकि, ये गलती कई बार बहू के तरफ से भी की जा सकती है। ऐसे में, रिश्ते में बैलेंस नहीं बन पाता है और दोनों को लड़ाई-झगड़े आदि का शिकार होना पड़ता है।

अपेक्षाओं का अंतर

एक नए रिश्ते के साथ, दोनों तरफ से अपेक्षाओं में बहुत अंतर हो जाता है। हर किसी की अपेक्षाओं और जरूरतों को पूरा करना कभी-कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। मां अपने बेटे के साथ-साथ बहू से भी बहुत सारी एक्सपेक्टेशंस रखती हैं, जो पूरा न होने पर तनाव का कारण बन जाता है।

बच्चों की पढ़ाई की आदत कैसे लगाएं

आज के इस इंटरनेट दौर में बच्चे पढ़ाई के नाम पर लैपटॉप और मोबाइल का इस्तेमाल ज्यादा करने लगे हैं। इससे दिक्कत ये हो रही है कि स्टडी के अलावा भी बच्चे का दिमाग इधर-उधर भटक जाता है। मोबाइल पर कई ऐसे ऐड आते हैं, जो बच्चों को अट्रैक्ट करता है और वह उस लिंक पर क्लिक करके दूसरे वेबसाइट या वीडियो को देखने लगते हैं। ऐसी स्थिति में माता-पिता की परेशानी पढ़ने लगती है। हर पैरेंट्स को लगता है कि उनका बच्चा फोन से नहीं पढ़ पाता है और पढ़ाई के लिए किताब का होना बेहद जरुरी है। पर, बच्चों की किताबों से पढ़ाई की आदत कैसे लगाई जाए, ये आज हर पैरेंट्स के लिए किसी चैलेंज से कम नहीं है। अगर आपका बच्चा भी सिर्फ मोबाइल में लगा होता है और किताबों में कम इंट्रेस्ट दिखाता है, तो अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, एक रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे अपने बच्चो को आप बुक लवर बना सकती हैं।

बच्चों के साथ आप भी पढ़ें बुक

बच्चे वही करते हैं, जो आसपास के माहौल से सिखते हैं। ऐसे में अगर आप खुद मोबाइल का कम से कम इस्तेमाल करेंगे। इसकी जगह उनके सामने बुक पढ़कर उन्हें सुनाएं। ऐसा करने से धीरे-धीरे उन्हें भी किताबों में इंट्रेस्ट आएगा और वो बुक पढ़ना शुरू कर देंगे।

बच्चों के अनुसार करें किताबों का चुनाव

बच्चों में किताबों के प्रति इंट्रेस्ट जगाने के लिए जरूरी है कि आप उसके अनुसार ही बुक लाएं। यानी बहुत ज्यादा टेक्स्ट किताबें बच्चे नहीं पढ़ पाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि उनके बुक्स में अट्रैक्टिव ग्राफिक्स जरुर शामिल हों। ग्राफिक्स के बहाने ही कम से कम बच्चे बुक्स खोलकर जरुर पढ़ेंगे।

फन करते हुए पढ़ाएं

अगर आप बच्चे पर पढ़ने के लिए ज्यादा प्रेशर डालेंगे, तो वो दबाव में आकर किताबों से दूर हो सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप उसे फन करते हुए किताबों को पढ़ाएं। इससे उनके अंदर किताब पढ़ने में दिलचस्पी आएगी।

सेट करें रीडिंग टाइम

बच्चों की आदतों में बदलाव लाने में रुटीन का अहम रोल होता है। ऐसे में, अगर आप उनकी रीडिंग टाइम को सेट कर देते हैं, तो वह खेल-कूद के बाद एक समय पर किताब पढ़ने के लिए भी बैठ सकता है। पर, इसके लिए जरूरी है कि आप अपने बच्चे के पास बैठे और उन्हें पढ़ाई करते हुए सुनें भी।

पढ़ने के बाद जल्दी भूल जाता है आपका बच्चा? इस तरीके से हमेशा रहेगा याद

बच्चे खेल-कूद और शैतानी करने में हमेशा आगे रहते हैं। लेकिन जैसे ही उन्हें पढ़ाई करने को बोल दिया जाए तो एक से बढ़कर एक बहाने बनाना शुरू कर देते हैं। दरअसल, उन्हें, नई जीजें सीखने और उसे याद रखने में काफी परेशानी होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। अमूमन बच्चे पढ़ाई-लिखाई में रुचि नहीं रखते हैं, तो कुछ बच्चे ज्यादा जानकारी एक साथ एबजॉर्ब नहीं कर पाते हैं। बच्चों के इस समस्याओं के कारण स्कूल से काफी कंप्लेन भी पैरेंट्स को झेलने पड़ते हैं। ऐसे में, माता-पिता को बच्चे की स्टडी और फ्यूचर को लेकर काफी चिंता रहती है। लेकिन अब आपको ज्यादा परेशान होने की जरुरत नहीं। यहां ऑक्सफोर्ड की रिसर्च के अनुसार जानेंगे चाइल्ड की मेमरी पावर बढ़ाने का सही तरीका क्या है।

पढ़ाई को बनाएं रोमांचक

ऑक्सफोर्ड की रिसर्च के अनुसार, अगर आपका बच्चा पढ़ा हुआ चीज जल्दी भूल जाता है, तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि उसकी स्टडी को इंटरेस्टिंग बनाएं। सिर्फ किताबे लेकर रटने से उन्हें कभी कुछ याद नहीं होगा। इसलिए आप कोशिश करें कि टॉपिक को किसे चीज से रिलेट करके उसे समझाएं। इससे लंबे समय तक पढ़ी हुई चीजें याद रहेगा।

पढ़ाने में लें विजुअल का सहारा

बच्चे को अगर स्कूल में कुछ याद करने के लिए वर्क मिला है, तो पैरेंट्स की जिम्मेदारी होती है उसे पढ़ाना। ऐसे में बच्चे को लंबे समय तक टॉपिक याद रखने के लिए आप कुछ क्रिएटिव तरीके का हेल्प ले सकते हैं। दरअसल, ऑक्सफोर्ड रिसर्च के मुताबिक, बच्चों को वीडियो में देखी गई चीजें ज्यादा दिनों तक याद रहता है। इससे माइंड में वीडिओज रह जाती है और बच्चा इसे लंबे समय तक नहीं भूलता है।

छोटे-छोटे पार्ट्स में समझाएं

ऑक्सफोर्ड की रिसर्च के अनुसार, अगर स्टडी मैटेरियल बहुत ज्यादा लंबा है, तो उसे छोटे-छोटे पार्ट्स में बांट दें। बड़े वाक्य या टॉपिक को याद करने में बच्चों को परेशानी हो सकती है। ऐसे में बेहद जरुरी है कि अच्छे से लॉन्ग टर्म मेमोरी के लिए उन्हें शॉर्ट में समझाएं।

समझाने के बाद बच्चे को बनाएं टीचर

बच्चे को टॉपिक समझाने के बाद उन्हें टेस्ट करने के लिए टीचर बनने को कहें। रिसर्च के अनुसार, बच्चे अगर खुद उन टॉपिक्स के बारे में अपने शब्दों में समझाते हैं, तो समझ लीजिए उन्हें पढ़ा हुआ चीज याद हो गया है। खास बात यह है कि ऐसा करने से बच्चों का मेमोरी पावर भी बढ़ता है।

जिला ब्यूरो चाहिए

आवश्यकता है प्रदेश के होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, दमोह, पन्ना, सतना, रीवा, मंडला, इंदौर, भोपाल, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, खंडवा, उज्जैन, बुरहानपुर, रतलाम, नीमच, मंदसौर, रायसेन, छतरपुर, ग्वालियर, दतिया, गुना, शिवपुरी अशोकनगर, राजगढ़, अलीराजपुर, बड़वानी, झाबुआ मे जिला ब्यूरो की ---- सम्पर्क करें।

रामकुमार नेमा, संपादक शब्द सारांश

पता:- आस्था कुंज बादर विहार कालोनी इंदौर रोड हरदा मोबाइल नं. - 9993173191

हथियार बंद फर्जी जज गिरफ्तार! साथी भी गया जेल

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक नकली न्यायिक अधिकारी को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. साथ ही पुलिस ने उसके दोस्त को भी गिरफ्तार किया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. गिरफ्तार आरोपियों में से एक पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करके खुद को न्यायिक अधिकारी बताने का आरोप है. इनके पास से एक हथियार और जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं.

आरोपियों की पहचान सूर्य अग्रवाल (31) और निखिल यादव (21) के रूप में हुई है. ये दोनों ही उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के रहने वाले हैं. पुलिस के अनुसार ये गिरफ्तारियां पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन की एक टीम ने की हैं. यह कार्रवाई राष्ट्रीय राजधानी में संभावित सुरक्षा खतरों की जांच के लिए चलाए जा रहे एक अभियान के तहत की गई.

नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने एक बयान में कहा, 5 अप्रैल को शाम करीब 5 बजे, टीम ने एक संदिग्ध स्कॉर्प कार को रोका. यह कार बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट के चल रही थी और इसकी खिड़कियों पर काली फिल्म लगी थी. वाहन पर जज, उत्तर प्रदेश सरकार लिखा हुआ एक स्टिकर भी लगा था, जिससे शक पैदा हुआ.

इंस्पेक्टर ने आगे बताया कि तलाशी के दौरान निखिल यादव के पास से एक पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए. जबकि अग्रवाल के पास से पांच जिंदा कारतूस मिले. पूछताछ के दौरान अग्रवाल ने खुद को एक वकील बताया और साथ ही उत्तर प्रदेश का सिविल जज होने का भी दिखावा किया. उसने एक न्यायिक पहचान पत्र और एक पत्र पेश किया, जो कथित तौर पर उत्तर प्रदेश के अधिकारियों द्वारा जारी किया गया था. उसने दावा किया कि उसे दिल्ली में हथियार ले जाने की अनुमति है. सत्यापन करने पर पुलिस को पता चला कि पहचान पत्र और पत्र, दोनों ही जाली थे और उनमें डिजिटल रूप से छेड़छाड़ की गई थी. पुलिस को आगे पता चला कि अग्रवाल के पास उत्तर प्रदेश में जारी किया गया एक वैध हथियार लाइसेंस था, लेकिन वह केवल उसी राज्य तक सीमित था और उसे दिल्ली में हथियार ले जाने की अनुमति नहीं देता था.

हाशिम बाबा गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार, हथियार और कारतूस बरामद

नई दिल्ली। पुलिस की स्पेशल सेल ने कुख्यात हाशिम बाबा गैंग के दो सहयोगियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों में एक फरार शूटर भी शामिल है। उनके पास से दो लोडेड सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल और 11 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शादाब अहमद उर्फ %चप्पल% और मोहम्मद आदि उर्फ आदिल उर्फ टैविस के रूप में हुई है।

28 साल का शादाब उर्फ चप्पल दिल्ली के जाफराबाद का रहने वाला है और पिछले दो सालों से फरार चल रहा था। उसे 11 अप्रैल को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गढ़ी मांडू इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक लोडेड सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस के अनुसार, शादाब हाशिम बाबा गैंग का शूटर है और वह अपने मामा तथा गैंगस्टर सुहैल का करीबी रिश्तेदार है, जो फिलहाल जेल में बंद है। शादाब पर 10 मार्च 2024 को दर्ज एफआईआर में हत्या और हत्या के प्रयास सहित आर्म्स एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। इस मामले में आरोप है कि 9 मार्च 2024 को सीलमपुर में हाशिम बाबा गैंग के शूटरों ने अपने प्रतिद्वंदी चेनू गैंग के सदस्यों पर फायरिंग की थी, जिसमें अरबाज नामक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

जांच में यह भी सामने आया कि अरबाज की हत्या इसलिए की गई क्योंकि उसने जेल में बंद सुहैल के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार किया था। इसके अलावा, शादाब एक अन्य हत्या के प्रयास के मामले में भी वांछित था और अदालत में पेश न होने के कारण उसे अपराधी भी घोषित किया गया था।

इसी अभियान के तहत, स्पेशल सेल ने 3 अप्रैल को 24 साल के मोहम्मद आदि उर्फ आदिल को भी उत्तर-पूर्वी दिल्ली से गिरफ्तार किया था। उसके पास से एक लोडेड पिस्तौल और 6 जिंदा कारतूस बरामद हुए थे। पुलिस के अनुसार, आदिल हाशिम बाबा गैंग के लिए रंगदारी वसूली के लिए टारगेट तय करने का काम करता था और जेल में बंद गैंगस्टर असद और दानिश उर्फ मल्लि के लिए काम कर रहा था।

युवक ने ममेरी बहन को कुल्हाड़ी से काट डाला, फिर खुद ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

मेदिनीनगर। झारखंड के पलामू जिले में रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के सुआ कौड़िया इलाके में एक युवक ने अपनी ममेरी बहन की टांगी (कुल्हाड़ी) से काटकर हत्या कर दी और उसके कुछ ही घंटों बाद स्वयं भी ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली।

प्रथम दृष्ट्या इस वारदात के पीछे प्रेम प्रसंग से उपजा विवाद बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बिट्टू कुमार सिंह और उसकी ममेरी बहन खुशबू कुमारी के बीच रविवार रात किसी बात को लेकर तीखी बहस हुई थी। खुशबू अपने मामा के घर रहकर ही पढ़ाई करती थी। विवाद इतना बढ़ा कि आवेश में आकर बिट्टू ने घर में रखी टांगी से खुशबू पर ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी बिट्टू यह कहते हुए घर से फरार हो गया कि वह भी जान देने जा रहा है। सोमवार सुबह बिट्टू कुमार सिंह का क्षत-विक्षत शव पास के ही रेलवे ट्रैक से बरामद हुआ। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त टांगी को जब्त कर लिया है।

हत्या के आरोपी के साथ पार्टी करने पर बोकारो के 28 पुलिसकर्मी निलंबित

नई दिल्ली। एक गुमशुदगी के मामले से शुरू हुआ था, वह हाल के दिनों में पुलिस के सबसे परेशान करने वाले स्कैंडल में से एक बन गया है। झारखंड के बोकारो जिले में, सीनियर अधिकारियों समेत 28 पुलिसवालों को सस्पेंड कर दिया गया है, जब जांच करने वालों को एक 18 साल की लड़की की हत्या के मुख्य आरोपी के साथ कथित मिलीभगत का पता चला।

यह कार्रवाई पुलिस सुपरिटेंडेंट हरविंदर सिंह ने एक जांच के बाद की, जिसमें पुलिस फोर्स के अंदर गंभीर गलत कामों का पता चला। सस्पेंड किए गए लोगों में 10 सब-इंस्पेक्टर, 5 असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर और 13 कांस्टेबल शामिल हैं, जिससे लोकल पुलिस स्टेशन की ऑपरेशनल चेन का ज़्यादातर हिस्सा खत्म हो गया है। इस मामले के केंद्र में कुमारी पुष्पा महतो की बेरहमी से हत्या है, जो एक टीनेजर थी और लगभग नौ महीने से लापता थी। पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी दिनेश कुमार महतो के कथित तौर पर कबूल करने के बाद, आखिरकार उसके अवशेष बोकारो के एक जंगल से बरामद किए गए।

रिश्ता- हत्या के पीछे का मकसद : पुलिस के मुताबिक, पुष्पा और दिनेश तीन साल से रिलेशनशिप में थे। जिस दिन वह गायब हुई, उस दिन वह एडमिशन की फॉर्मैलिटी के लिए एक लोकल कॉलेज गई थी। इन्वेस्टिगेटर्स का कहना है कि दिनेश उससे वहीं मिला और उसे कैंपस के पीछे एक सुनसान जगह पर अपने साथ चलने के लिए मना लिया। पुलिस का आरोप है कि उसी सुनसान जगह पर उसने उसे चाकू मारकर मार डाला। फिर उसने लाश को झाड़ियों में छिपा दिया और मौके से भागते समय हथियार फेंक दिया। महीनों तक केस ठंडा पड़ा रहा।

कामयाबी और सदमा : टर्निंग पॉइंट तब आया जब एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने पूछताछ के दौरान दिनेश पर दबाव डाला। उसके कहे गए कबूलनामे से ऑफिसर्स जंगल के एक खुले मैदान में पहुँचे, जहाँ कंकाल के अवशेष, कपड़े और हत्या का संदिग्ध हथियार बरामद हुआ। लेकिन इसके बाद जो हुआ वह क्राइम से भी ज़्यादा चौंकाने वाला था।

एक डिपार्टमेंटल रिव्यू में पाया गया कि केस में लगाए गए कई पुलिसवाले बेसिक इन्वेस्टिगेशन प्रोसेस को फॉलो करने में फेल रहे थे। इससे भी बुरी बात यह थी कि ऐसे संकेत थे कि कुछ ऑफिसर्स ने आरोपी की एक्टिवली मदद की होगी, जिससे केस कमजोर हो गया, कॉन्फिडेंशियल डिटेल्स शेयर कीं, और यहाँ तक कि उसके साथ गलत बातचीत भी की। इसके अलावा, जांच से पता चलता है कि पैसों के लेन-देन और सोशल फेवर की भी जांच हो रही है।

सवाल में सिस्टम : स्क हरविंदर सिंह ने सस्पेंड किए गए अधिकारियों के काम को संदिग्ध बताया, और साफ चूक और जांच को पटरी से उतारने की कोशिशों का हवाला दिया। डिसिप्लिनरी एक्शन का लेवल, अकेली लापरवाही के बजाय गहरी इंस्टीट्यूशनल नाकामी की ओर इशारा करता है।

अजब-गजब : थाने में युवक पर आया जिन्न

उन्नाव। यूपी में कानून का राज ऐसा कायम हुआ है कि अब अपराधी तो अपराधी भूत-प्रेत, जिन्न भी थाने में पुलिस के खौफ से भागते नजर आ रहे हैं. एक ऐसा ही मामला उन्नाव से सामने आया है. जहां थाने के अंदर जमीनी विवाद के लेनदेन में बैठे आरोपी के ऊपर जिन्न (औघड़) आ गया. जिसके बाद वह चिल्लाने लगा. उसके इस कृत्य से अन्य लोगों में भय व्याप्त हो गया और भागने लगे. वहीं जब कोतवाल ने पट्टा उठाकर उसकी पूजा करनी चाही तो जिन्न थाने से भाग गया. जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

वायरल वीडियो उन्नाव के बिहार थाने का बताया जा रहा है और वीडियो करीब दो महीने पुराना है. वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि थाने के अंदर दो व्यक्ति बैठे दिखाई दे रहे हैं. उसमें से एक व्यक्ति अचानक चीखने लगता है. ऐसे में पास में बैठा एक व्यक्ति उसको देखकर भाग खड़ा होता है. व्यक्ति चिल्लाते हुए बता रहा है कि उसके ऊपर जिन्न और औघड़ आ गए हैं.

व्यक्ति के चिल्लाते ही थाने में हड़कंप मच गया और कोतवाल राहुल सिंह भी अपने कमरे से निकलकर बिना वर्दी के थाने पहुंच गए. जिसके बाद चिल्ला रहे व्यक्ति से कोतवाल ने जब पूछा क्या हुआ? इस पर व्यक्ति बोला कि मैं जिन्न और औघड़ हूं. दो लोग हमेशा साथ रहे हैं. कभी जाते नहीं हैं. पड़ोसियों ने उसके ऊपर यह करवाया है. जानकारी के अनुसार थाने के अंदर जिसके ऊपर जिन्न आया है, उसका नाम पंकज कुमार दुर्गागंज निवासी है. उससे राजेश कुमार ने जमीन खरीदने के लिए दस हजार रुपए बयाना दिया था. जमीन का सौदा तय हो गया था, लेकिन जब राजेश ने जमीन के पेपर चेक करवाए तो वह जमीन विवादित थी. जिसके बाद राजेश ने जमीन लेने से मना कर दिया और अपना दिया हुआ दस हजार रुपए वापस मांगने लगा.

डेंटल छात्र की मौत पर बवाल, विरोध प्रदर्शन तेज

कन्नूर। केरल के कन्नूर स्थित अंचराकांडी डेंटल कॉलेज के बीडीएस छात्र नितिन राज की मौत ने पूरे राज्य में आक्रोश पैदा कर दिया है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं, कई स्तरों पर जांच के आदेश दिए गए हैं और फैकल्टी पर लंबे समय से उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

नितिन राज के सहपाठियों ने विभागाध्यक्ष डॉ. एम.के. राम पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रों का कहना है कि वे नियमित रूप से डराने-धमकाने, बॉडी शेमिंग करने और मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न में शामिल थे। छात्रों के मुताबिक, नितिन की मौत से पहले की परिस्थितियां बेहद क्रूर थीं, जिनमें अजीबोगरीब सजा देने की प्रथाएं शामिल थीं, जिससे छात्रों पर मानसिक और शारीरिक रूप से गहरा असर पड़ता था। छात्रों ने उन शुरुआती खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें आत्महत्या की वजह लोन ऐप के दबाव को बताया गया था। उनका कहना है कि यह कहानी कॉलेज प्रशासन और आरोपी फैकल्टी को बचाने के लिए गढ़ी गई है। आरोप है कि डॉ. राम आंतरिक अंकों और वाइवा के मूल्यांकन में अपनी पकड़ का इस्तेमाल कर छात्रों को चुप रहने के लिए मजबूर करते थे और फेल करने की धमकी देते थे। छात्रों ने यह भी बताया कि उनके द्वारा सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता था, यहां तक कि माता-पिता के सामने भी गाली-गलौज की जाती थी। इसके अलावा मारपीट और अपमानजनक सजा देने जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। घटना के विरोध में छात्रों ने कक्षाओं का बहिष्कार कर दिया है और त्वरित कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

पत्नी का अवैध संबंध, प्रेमी की हत्या कर पति शव बोरे में भरकर फेंका

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश के सागर जिले में बोरे में मिली लाश के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है. यह हत्या अवैध संबंधों के चलते रची गई एक सोची-समझी साजिश का परिणाम निकली. पुलिस के मुताबिक, युवक को पहले खाने के बहाने बुलाया गया और फिर बेरहमी से उसकी हत्या कर शव को बोरे में भरकर फेंक दिया गया.

घटना कर्रापुर क्षेत्र के पास कानपुर हाईवे स्थित राजा ढाबा के नजदीक की है, जहां 11 अप्रैल की सुबह सड़क किनारे खून से सना एक बोरा मिला था. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जब बोरा खोला गया तो उसमें एक युवक का शव मिला. बाद में मृतक की पहचान 38 वर्षीय महेंद्र अहिरवार, निवासी ग्राम भेड़ा (बंडा) के रूप में हुई.

शुरुआत में यह मामला रहस्य बना हुआ था, लेकिन जांच के दौरान चौंकाने वाले खुलासे हुए. पुलिस जांच में सामने आया कि महेंद्र के गांव के ही हरिशंकर अहिरवार की पत्नी से उसके अवैध संबंध थे. इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था. कई बार समझाने के बावजूद जब महेंद्र नहीं माना, तो हरिशंकर ने उसकी हत्या की साजिश रच डाली. इस साजिश में उसने अपने परिवार के सदस्यों, पत्नी, बेटे और सालों को भी शामिल कर लिया. 10 अप्रैल की शाम हरिशंकर ने महेंद्र को सागर के राजीव नगर स्थित अपने साले के घर खाने पर बुलाया. वहां पहले पार्टी हुई और जैसे ही महेंद्र खाना खाने बैठा, आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया. कुल्हाड़ी से उसकी कनपटी पर पहला वार किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. इसके बाद सिर और चेहरे पर लगातार वार कर उसकी हत्या कर दी गई. हत्या के बाद आरोपियों ने शव को बोरे में भरा और एक लोडिंग वाहन से कर्रापुर ले जाकर 10-11 अप्रैल की दरम्यानी रात करीब 3 से 4 बजे के बीच हाईवे किनारे फेंक दिया.

स्वत्वाधिकारी, संपादक, मुद्रक, प्रकाशक रामकुमार नेमा की ओर से दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी प्रेस कॉम्पलेक्स, भोपाल से मुद्रित तथा आस्था कुंज बादर विहार कॉलोनी, होटल मानसरोवर के पास इंदौर रोड हरदा से प्रकाशित। संपादक - रामकुमार नेमा। मो.- email:ramnema81@gmail.com (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र हरदा रहेगा।)